अमेरिका के मनोरंजन जगत से मिलते नए सबक

हाल ही में राइटर्स गिल्ड ऑफ अमेरिका की 148 दिन लंबी हड़ताल समाप्त हुई है। इसमें लगभग 12000 स्क्रीन राइटर्स शामिल हुए थे। इस गिल्ड ने अलायंस ऑफ मोशन पिक्सर्च एण्ड टेलीविजन प्रोड्यूसर्स के साथ एक नया समझौता किया है। इसके दो मुख्य बिंदु हैं -

- स्ट्रीमिंग सामग्री से होने वाली आय का और अधिक हिस्सा लेखकों को दिया जाए।

- एआई अर्थात आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के लेखन में उपयोग के लिए नियम निर्धारित किए जाएं।

  एआई से संबंधित नियमों की मांग विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि पिछले कुछ समय में मनोरंजन और गेमिंग की दुनिया में इसका गलत इस्तेमाल होता देखा गया है। यह स्क्रीन राइटर्स के लिए हानिकारक साबित हो रहा है।

कुछ बिंदु -

- तकनीक चाहे कितनी भी आत्याधुनिक हो, लेकिन सच्चाई यह है कि स्क्रीन पर दिखाई जाने वाली सपनों की दुनिया की उड़ान के लिए मानवीय नवीनता और रचनात्मकता का कोई मुकाबला नहीं हो सकता।

- तकनीक का इस्तेमाल मानवीय रचनात्मकता के सहायक के रूप में किया जाना चाहिए।

- यही कारण है कि लेखकों ने अपनी रचनात्मकता को पर्याप्त पहचान और लगातार बढ़ती दर्शक संख्या से प्राप्त राजस्व में उचित हिस्सेदारी की मांग की है।

इस हड़ताल ने दुनियाभर को यह याद दिला दिया है कि मनोरंजन-व्यवसाय के केंद्र में सामग्री की रचना करने वाले भी हैं। दूसरे, यह स्पष्ट हो गया कि परिवर्तन के अनुसार तकनीक को अपनाना ही किसी व्यवसाय, रचनात्मकता और रचनात्मकता के व्यवसाय का मूल मंत्र है।

'द इकॉनॉमिक टाइम्स' में प्रकाशित संपादकीय पर आधारित। 12 अक्टूबर, 2023